राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक खबरें

जनता की समस्या,हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

● वर्ष : ०९ ● अंक : ०९ ● मुंबई, शुक्रवार, ०१ नवंबर से ०७ नवंबर २०१९ ● पृष्ठ : ४ ● मूल्य : २/- रुपये

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला

अखबार,(०७४९८५३५२८६आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

हरपल टाइम्स की खास रिपोर्ट

२०१९ के विधायक इलेक्शन में तनातनी के बाद मुंबई इलाके से चार मुस्लिम विधायकों की जीत हुई

जमील जी. खान
चीफ एडिटर

संवाददाता

मुंबई, २०१९ के विधायक इलेक्शन में तनातनी के बाद मुंबई इलाके से चार मुस्लिम विधायकों की जीत हुई है। ५ साल से मुस्लिम इलाकों में महाराष्ट्र सरकार ने काम नहीं किए और जनता बेहद परेशान थी, इस बार कुछ पुराने विधायक और नया विधायकों को कामयाब जनता ने इसलिए बनाया कि हमारे इलाके की समस्याएं दूर हो जाएं और हमको कोई तकलीफ का सामना न करना पड़े। हरपल टाइम्स का इन विधायकों से गुजारिश है कि जनता ने आपको बहुमत से जिताया इसका सेहरा जिस इलाके से विधायक जीतकर आए वहां की जनता को जाता है।

१. समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी ने अपने इलाके में काफी काम किया है, कुछ जनता परेशान और नाराज भी थी। हरपल टाइम्स ने अपनी टीम को जनता से मुलाकात करके समस्याओं को सामने रखकर अच्छे विधायक को लाने का सुझाव दिया। जिसमें अबू आसिम आजमी ने इनके इलाके में कुछ काम किया और एक सभा में अबू आसिम आजमी ने कहा कि मैं इस इलाके में चुनकर आने के बाद कुछ बडी समस्या जो हल नही ंहो पा रही रही है उसको ३० दिनों में पूरा करूंगा। हम हरपल टाइम्स की पूरी टीम के तरफ से अबू आसिम आजमी को मुबारकबाद देते हैं।

२. नवाब मलिक राकांपा के पुराने विधायक और माजी मंत्री रह चुके है, इन्होंने काफी काम किया है। इलाके में कुछ जनता नाराज नजर आयी लेकिन फिर जनता ने इनको जिताकर विधायक बनाया। हर पल टाइम्स की तरफ मुबारकबाद देकर आपको जनता का साथ, जनता का विश्वास पूरा करना होगा। आने वाले समय में आपको वापस जीत मिल सकती है।

३. अमीन पटेल जो काँग्रेस के स्थानिक विधायक थे, इस बार उनके विरोध में बडी.पार्टियां कांटे के टक्कर पर थीं, जनता भी नाराज थी। अमीन पटेल के इलाके में पुरानी बिल्डिंगों के मसले हैं जो कभी भी गिर सकती है। हर पल टाइम्स अमीन पटेल को मुबारकबाद देती है और जनता का विश्वास आपको कायम रखना होगा।

४. मालाड से काँग्रेस के असलम शेख इलाके के पुराने विधायक हैं, जिन्होंने विरोधियों को टक्कर देकर जनता का विश्वास हासिल किया। जनता ने इस इलाके में काफी मेहनत की और समस्याओं को सामने रखा, इन्होंने जनता से वादा किया कि मेरी सीट आने के बाद पूरी समस्याओं को दूर करूंगा। हर पल टाइम्स की पूरी टीम की तरफ से मुबारकबाद देते हुए विधायक को गुजारिश करते हैं कि जनता का विस्वास कायम रखें और आने वाले समय में अपनी इमेज को बढ़ाएं।

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय और अनेक पार्टियों के जितने भी विधायक जीते हैं इनको हर पल टाईम्स, हर पल टी.वी. न्यूज, क्राईम मोस्ट वांडेट, क्राईम मीडिया की तरफ से बहुत-बहुत मुबारकबाद देते हैं। सरकार किसी की भी बने, आपसे निवेदन है कि अपने अपने इलाके की समस्याओं को दूर करेंगे।

दो और विधायकों के समर्थन के बाद बोली शिवसेना सत्ता का रिमोट अब उद्धव के हाथ में

मुंबई : बीजेपी से सीएम पद पर जारी वाद-विवाद के बीच शिवसेना ने रविवार को कहा कि भले ही महाराष्ट्र की विधानसभा में उसकी सीट कम हों, लेकिन पावर का रिमोट उसके ही पास है। बीजेपी से महाराष्ट्र में 50-50 फॉम्युर्ले पर सरकार बनाने की मांग कर रही शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने रविवार को पार्टी के मुखपत्र सामना में एक लेख लिखकर इस बारे में बीजेपी को साफ संदेश दे दिया। राउत ने लिखा, भले ही 2014 की अपेक्षा शिवसेना ने इस चुनाव में कम सीटों पर जीत हासिल की है, लेकिन सत्ता का रिमोट अब उद्धव ठाकरे के पास है। सामना के कार्यकारी संपादक और शिवसेना के वरिष्ठ नेता राउत ने अपने लेख में लिखा कि प्रदेश में 164 सीटों पर चुनाव लड़कर 144 सीट जीतने की बात कहने वाली बीजेपी की रणनीति को मतदाताओं ने खारिज कर दिया है। जो चुनाव परिणाम आए हैं, वह बीजेपी की उस सोच की हार है जिसमें वह एनसीपी और काँग्रेस के नेताओं को किसी भी तरह से अपने दल में शामिल कराकर अपना पक्ष मजबूत करना चाहते थे। राउत ने लिखा कि उदावनराजे भोंसले जैसे वो नेता जो कि एनसीपी से बीजेपी में शामिल हुए थे, वह चुनाव हार गए।

यह परिणाम उन लोगों के लिए एक संकेत हैं, जिन्हें लगता है कि वह जो भी चाहें वह कर सकते हैं। बता दे कि शिवसेना की ओर से यह बयान उस वक्त आए हैं, जबकि शिवसेना और बीजेपी के बीच सत्ता के बंटवारे को लेकर आपसी खींचतान जारी है।शिवसेना को रविवार को ही विदर्भ के एक छोटे दल के दो विधायकों ने समर्थन दिया है। अचलपुर के विधायक बाचचु काडु और मेलघाट से विधायक राजकुमार पटेल ने शिवसेना को समर्थन देने की पेशकश की। इस बीच, बीजेपी शिवसेना की बगावत की स्थिति में अन्य छोटे दलों के साथ या अन्य विकल्पों के माध्यम से सरकार बनाने पर विचार कर रही है।

हर पल टाइम्स की नई जानकारी के मुताबिक एनसीपी और शिवसेना की बन सकती है महाराष्ट्र में सरकार

हो सकते हैं सी.एम. युवा आदित्य ठाकरे

संवाददाता

मुंबई, हर पल टाइम्स की नई जानकारी के मुताबिक एनसीपी और शिवसेना की बन सकती है महाराष्ट्र में सरकार।

महाराष्ट्र के चुनाव में बड़ा उतार चढ़ाव रहा, इस बार वोट पर्सेंटेज भी कम रहा और मेजोरिटी में कोई बड़ी पार्टी नहीं आई। बीजेपी दावा कर रही थी कि हम सरकार बनाएंगे। बीजेपी और शिवसेना का काफी असें से महाराष्ट्र में गठबंधन रहा, अब महाराष्ट्र के पुराने नेता शरद पवार ने शिवसेना को समर्थन देकर महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा पेश किया है।

लेकिन लोगों का कहना है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार बनेंगे, लेकिन नहीं शरद पवार जी बहुत बड़े नेता हैं, समर्थन देकर शिवसेना का सी.एम. बनाएंगे।

संपादकीय...

छिपे हुए संकेत

छोटे से छोटे चुनाव भी अब देश की राजनीति के सूचकांक की तरह लिए जाने लगे हैं, इसलिए आज के सियासी परिदृश्य में महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों के महत्व को अलग से रेखांकित करना जरूरी है। सबसे पहले तो इन नतीजों ने यह साबित किया है कि भारतीय जनतंत्र का मौजूदा दौर एकपक्षीय नहीं है। जनता की अपनी जमीनी कसौटियां हैं, जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज करके किसी विचार या व्यक्तित्व को ताड़ पर नहीं चढ़ाया जा सकता, भले ही वह कितना भी पवित्र और महान क्यों न हो। बीजेपी पिछले कुछ समय से देश भर में खुद को अपरिहार्य जैसा बताने की कोशिश कर रही थी। इन चुनावों में भी उसे मुंह की नहीं खानी पड़ी है, लेकिन कुछ झटका जरूर लगा है।

उसकी सत्ता भले ही बची रह गई हो पर ताकत घट गई है। हरियाणा में वह बहुमत से दूर रही और महाराष्ट्र में अपनी सहयोगी शिवसेना पर काफी ज्यादा निर्भर हो गई है। इससे संदेश यही निकलता है कि रोजी-रोजगार, महंगाई और शोषण के मसलों को राष्ट्रीय मुद्दों से ढका नहीं जा सकता। बीजेपी को समझना होगा कि राष्ट्रीय स्तर पर उसकी नींव राज्यों में बेहतर प्रशासन से ही मजबूत रहेगी। महाराष्ट्र को लें तो उसके कुछ हिस्सों में पिछले कई सालों से लगातार फसलें खराब हो रही हैं और कर्ज माफी का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा। विदर्भ क्षेत्र में कोशिशों के बावजूद किसानों की आत्महत्याएं नहीं रुकीं।

सेंटर फॉर द मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी की पिछले महीने की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी की दर पूरे देश से ज्यादा, 28.7 फीसद है। कृषि उपजों की कीमतें वहां पिछले दो साल से लगातार गिर रही हैं जिससे किसान परेशान हैं। गुड़गांव जैसे प्रमुख आर्थिक केंद्र में काफी लोग नौकरी से निकाले गए हैं। जाहिर है, जनता ने वोट करते समय इन मुद्दों को ध्यान में रखा। विपक्ष के बंटे होने, कमजोर होने के बाद भी लोगों ने उसे अपना समर्थन दिया तो यह बात का संकेत है कि अपनी बेहतरी के लिए वे कोई भी विकल्प आजमाने को तैयार हैं। भारतीय लोकतंत्र का वैविध्य भी इसी कारण बचा हुआ है। विभिन्न सामाजिक समूह और समुदाय अपने भीतर भी नए विकल्प तलाश रहे हैं। हरियाणा में देवीलाल के समर्थकों ने उनकी चौथी पीढ़ी पर भरोसा जताया, इसलिए उनके पड़पोते दुष्यंत चौटाला को अपेक्षा से ज्यादा सीटें मिलीं। इसी तरह मराठा समुदाय के समर्थन के बूते एनसीपी में नई जान पड़ी है। दरअसल शरद पवार के परिवार पर ईडी का प्रहार मराठा समाज को नागवार गुजरा। एक निष्कर्ष यह है कि क्षेत्रीय पार्टियां फिर मजबूत हो रही हैं और वे आगे अजेंडा तय कर सकती हैं। कांग्रेस नेतृत्व को समझना होगा कि छोटे-मोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर उनकी पार्टी अगर जमीन पर जनता के मसलों के साथ खड़ी हो तो लोग अब भी उसके साथ चलने को तैयार हैं।

घाटी में चुनाव

इसे हम बहुत अहम परीक्षा भले ही न मानें, लेकिन जम्मू-कश्मीर में ब्लॉक विकास परिषद का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी परीक्षा तो था ही। बेशक, लोकतंत्र के ऐसे कई पैमाने हैं, जिन पर इन चुनावों को आसानी से खारिज भी किया जा सकता है। यह कहा जा सकता है कि विपक्ष के तमाम छोटे-बड़े नेता जिस समय जेल में हों, ऐसे चुनाव को किसी भी तरह से पूर्ण नहीं माना जा सकता। इसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि एक भारतीय जनता पार्टी को छोड़ दें, तो एक सिरे से सभी दलों ने इन चुनावों का बहिष्कार किया था। अपनी जगह इन तर्कों में दम हो सकता है, लेकिन ये चुनाव जिस तरह से संपन्न हुए, वह अपने आप में जम्मू-कश्मीर के धरातल की कुछ और ही कहानी कहता है। दिलचस्प बात यह है कि इन चुनावों के लिए न तो कोई राजनीतिक खींच-तान हुई, न बहुत ज्यादा प्रचार चला, सुरक्षा के कडे.प्रबंध में कोई ढील भी नहीं दी गई, और इसके बावजूद 98 फीसदी से ज्यादा मतदान का होना यह बताता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए कश्मीर का अवाम न सिर्फ तैयार है, बल्कि इस मामले में वह शेष भारत से कहीं ज्यादा उत्साह दिखा रहा है। इन चुनावों में मतदाता चूंकि विभिन्न पंचायतों के सरपंच थे, इसलिए उन्हें पूरी सुरक्षा के बीच मतदान केंद्र तक लाया गया था, लेकिन उनकी भागीदारी ने यह तो साफ कर ही दिया कि अलगाववादी कश्मीर घाटी की जिस तरह की तस्वीर पेश करते हैं, निचले स्तर के जन-प्रतिनिधियों में वह सब निरर्थक दिखाई देता है।

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में एक साथ हुए इस चुनाव के नतीजे कुछ वैसे ही आए, जैसी उम्मीद थी। भाजपा को छोड़ ज्यादातर प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था, इसलिए ज्यादातर सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के हाथ ही लगीं। वैसे यह कोई बड़ी बात भी नहीं है। पंचायतों और छोटे ग्रामीण व स्थानीय निकाय के चुनावों में अक्सर निर्दलीय उम्मीदवारों का पलड़ा भारी रहता है। ब्लॉक विकास परिषदों की सिर्फ 27 सीटें ही ऐसी थीं, जिन पर उम्मीदवार बिना किसी चुनौती के निर्विरोध चुनाव जीत गए। जिन सीटों के लिए मतदान हुआ, उनमें से 217 पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते। भाजपा चुनाव को लड़ने वाली अकेली पार्टी थी, फिर भी उसे सिर्फ 81 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। यह बताता है कि इस क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भाजपा का जनाधार अभी भी सीमित है। हालांकि इस चुनाव में भाजपा को मिली सीटें या उसका जनाधार मुद्दा नहीं है, असली मुद्दा निचले स्तर के जन-प्रतिनिधियों की भागीदारी है, जो बहुत उम्मीद बंधाती है।

यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति की बहाली की ओर पहला कदम भर है। पूरी तरह से स्थिति का सामान्य हो जाना तो उस समय माना जाएगा, जब सभी दलों की भागीदारी से चुनाव संपन्न होंगे। लेकिन उस दिशा में बढ़ने के लिहाज से यह चुनाव महत्वपूर्ण है। इस चुनाव ने सभी राजनीतिक दलों को यह एहसास दे दिया होगा कि जमीनी स्तर पर हालात कैसे हैं। इन चुनावों का संदेश उनके उन नेताओं तक भी पहुंचा होगा, जो जेलों के अंदर हैं या बाहर आ चुके हैं। उन्हें भी समझ में आ रहा होगा कि अगली बार अगर वे चुनाव में शामिल नहीं हुए, तो अप्रासंगिक भी हो सकते हैं।

इसे हम बहुत अहम परीक्षा भले ही न मानें, लेकिन जम्मू-कश्मीर में ब्लॉक विकास परिषद का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी परीक्षा तो था ही। बेशक, लोकतंत्र के ऐसे कई पैमाने हैं, जिन पर इन चुनावों को आसानी से खारिज भी किया जा सकता है। यह कहा जा सकता है कि विपक्ष के तमाम छोटे-बड़े नेता जिस समय जेल में हों, ऐसे चुनाव को किसी भी तरह से पूर्ण नहीं माना जा सकता। इसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि एक भारतीय जनता पार्टी को छोड़ दें, तो एक सिरे से सभी दलों ने इन चुनावों का बहिष्कार किया था। अपनी जगह इन तर्कों में दम हो सकता है, लेकिन ये चुनाव जिस तरह से संपन्न हुए, वह अपने आप में जम्मू-कश्मीर के धरातल की कुछ और ही कहानी कहता है। दिलचस्प बात यह है कि इन चुनावों के लिए न तो कोई राजनीतिक खींच-तान हुई, न बहुत ज्यादा प्रचार चला, सुरक्षा के कडे.प्रबंध में कोई ढील भी नहीं दी गई, और इसके बावजूद 98 फीसदी से ज्यादा मतदान का होना यह बताता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए कश्मीर का अवाम न सिर्फ तैयार है, बल्कि इस मामले में वह शेष भारत से कहीं ज्यादा उत्साह दिखा रहा है। इन चुनावों में मतदाता चूंकि विभिन्न पंचायतों के सरपंच थे, इसलिए उन्हें पूरी सुरक्षा के बीच मतदान केंद्र तक लाया गया था, लेकिन उनकी भागीदारी ने यह तो साफ कर ही दिया कि अलगाववादी कश्मीर घाटी की जिस तरह की तस्वीर पेश करते हैं, निचले स्तर के जन-प्रतिनिधियों में वह सब निरर्थक दिखाई देता है।

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में एक साथ हुए इस चुनाव के नतीजे कुछ वैसे ही आए, जैसी उम्मीद थी। भाजपा को छोड़ ज्यादातर प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था, इसलिए ज्यादातर सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के हाथ ही लगीं। वैसे यह कोई बड़ी बात भी नहीं है। पंचायतों और छोटे ग्रामीण व स्थानीय निकाय के चुनावों में अक्सर निर्दलीय उम्मीदवारों का पलड़ा भारी रहता है। ब्लॉक विकास परिषदों की सिर्फ 27 सीटें ही ऐसी थीं, जिन पर उम्मीदवार बिना किसी चुनौती के निर्विरोध चुनाव जीत गए। जिन सीटों के लिए मतदान हुआ, उनमें से 217 पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते। भाजपा चुनाव को लड़ने वाली अकेली पार्टी थी, फिर भी उसे सिर्फ 81 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। यह बताता है कि इस क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भाजपा का जनाधार अभी भी सीमित है।

सहारा ट्रावेल्स व बॉम्बे गुजरात रोडवेज के मालिक
मुश्ताक साहब और कुदरत साहब की ओर से...
सभी देशवासियों को दिली मुबारकबाद

महारा के साथ सुहाना सफर
SAHARA TRAVELS
Travel once you love forever
Head Office: 6-1-1082/B/I, Hotel Krishna Complex, Lakdi Ka Pul, Hyderabad-04.
Contact No's: 040-23298483, 66745786 65138483
Call on: 9396669999 Email: saharatravels@gmail.com
Online Booking www.saharabus.com
Branches: Afzal Gunj Hyd: 65979786, 9391830030 Aghapura Hyd:040- 32906111, (FAX):040-:24601333 Prashanti Nagar: 9393346631 Balanagar: 9391830014 - 14 Mumbai Market V T: 9323034790 Sion: 24044222, 93228 Vashi: 9323034783, 27832803-04 Pune: 40026506, 32334555 Bangalore: 080-40927105-6 Indore:9926426935,09303355337
आपका सामान जिम्मेदारी और हिफाजत के साथ पहुंचाया जायेगा
BOMBAY GUJRAT ROADWAYS
A DIVISION OF MUSHTAQ TRANSPORT PVT. LTD.
Express parcel courier service by VOLVO Buses 24x7 hours
Head Office : 11-1-294/B &C, Aghapura, Hyderabad.500001
Contact No's: 040-24800273,24800785 (FAX):040-24801333
Email : bgr_hyd@yahoo.co.in
BRANCHES: Secunderabad : 9346243111, 9393346631
Prashanti Nagar : 9391830014 Balanagar 040-65993831
Bombay Sion: 9322871960 Vashi: 02232466708, 0932303483
Vapi: 9377890785 Bhiwandi: 932303483.

पर्यटक रहें समुद्र से दूर, समुद्री तट पर जारी अलर्ट

मुंबई : अरब सागर में बने चक्रवात ह्याक्यारह्ल ने अब रौद्र रूप धारण कर लिया है। मौसम विभाग ने भी अलर्ट जारी कर गोवा, केरल और महाराष्ट्र के लोगों को समुद्री तटों से दूर रहने को कहा है। मौसम विभाग के अनुसार समुद्र सनकेगा और ६ फीट से भी ऊंची लहरें उठेंगी।

बता दें कि मुंबई तट से ३२० किमी दक्षिण में क्यार चक्रवात बना है। यही कारण है कि मुंबई में बेमौसम बरसात हो रही है। वैसे तो इस चक्रवात तूफान से मुंबई को कोई क्षति नहीं पहुंचेगी लेकिन आप अगर गोवा या कोकण में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच-समझकर ही जाएं। क्षेत्रीय मौसम विभाग की मानें तो दक्षिण महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और गोवा में समुद्र काफी अस्थिर रहेगा और हवाओं की गति ५० से ६० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। मौसम विभाग ने पश्चिमी तटों पर हाई अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र से दूर रहने को कहा गया है साथ ही लोगों से अपील भी की गई है कि वे समुद्र से दूर रहें क्योंकि ६ फीट से अधिक ऊंची लहरें उठेंगी।

बारिश का नया रिकॉर्ड

यूं तो अक्टूबर में पारा ३८ डिग्री तक पहुंच जाता है लेकिन इस बार मौसम का कुछ अलग ही समीकरण है। बारिश ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। क्षेत्रीय मौसम विभाग की वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों की मानें तो अक्टूबर में २० तारीख के बाद बारिश हुई ही नहीं थी लेकिन इस बार अरब सागर में बने चक्रवाती तूफान के चलते इतनी देर तक बारिश रही है। अब तक मुंबई में ७२ मिमी बारिश हो चुकी है। हालांकि १९८८ में अक्टूबर में सबसे अधिक बारिश हुई थी लेकिन वह भी ४ तारीख तक ही।

रोपवे का तैयार होगा ब्लूप्रिंट, कंपनी नियुक्त करेगी एमएमआरडीए

मुंबई : महावीर नगर मेट्रो स्टेशन से पगोड़ा और पगोड़ा से गोराई गांव तक रोपवे की रूप रेखा यानी ब्लूप्रिंट तैयार करने के लिए एमएमआरडीए एक कंपनी को नियिक्त करने जा रही है। ब्लूप्रिंट, निर्माणकार्य और व्यवस्थापन के लिए एमएमआरडीए ने निविदा प्रक्रिया की शुरूआत अर दी है।

एमएमआरडीए की योजना के अनुसार रोपवे का पहला कॉरिडोर मेट्रो-२ए दहिसर से डीएन नगर के महावीर नगर मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाएगा। रोपवे से रोजाना ४ से ५ लाख लोग सफर करेंगे ऐसा अंदाज लगाया जा रहा है। इस परियोजना को अमल में लाने के लिए सरकार रोपवे के निर्माण का अधिकार एमएमआरडीए को दिया है। मेट्रो-२ए कॉरिडोर का काम काफी तेज गति से चल रहा है। मेट्रो-२ए को अगले साल तक शुरू करने का लक्ष्य एमएमआरडीए ने रखा है। इस मार्ग को रोपवे से जोड़ने की मंजूरी सरकार ने दे दी है। एमएमआरडीए ने रोपवे का निर्माणकार्य, व्यवस्थापन और रूपरेखा तैयार करने के लिए एक निविदा निकली है। ११ नवंबर तक इस निविदा को प्रस्तुत करने अवधि एमएमआरडीए ने दी है।

दिवाली पर गच्चा दे गया गुडविन

कल्याण : एक ज्वेलर्स सैकड़ों लोगों की बीसी का पैसा लेकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह से ही डोंबिवली के गुडविन ज्वेलर्स की शाखा पर नागरिकों का जमावड़ा शुरू होने लगा। देखते-देखते लोगों की संख्या बढ़ने लगी और सैकड़ों की तादाद में लोग जमा हो गए। स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। बता दें कि पिछले चार दिनों से गुडविन ज्वेलर्स के मालिक ने अपने सभी आउटलेट्स बंद कर दिए थे। ज्वेलर्स के मालिक सुनील नायर और सुधीर नायर जो कि मूलतः केरल के रहनेवाले हैं। दोनों फरार बताए जा रहे हैं। इनका मुख्या धंधा लोगों से बीसी भरवाना था और बीसी पूरा होने पर ज्वेलरी देते थे।

PM मोदी ने LoC पर जवानों के साथ मनाई दिवाली

मुंबई : कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का ये पहला कश्मीर का दौरा रहा. प्रधानमंत्री मोदी पहले भी जवानों के साथ दिवाली के रंग साझा करते रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार भी उन सैनिकों को परिवार की तरह खुशियां दीं, जो अपने घर से दूर वतन की सेवा में डटे हैं.

प्रधानमंत्री ने राजौरी में जवानों के साथ दिवाली मनाई और सैनिकों का मुंह मीठा कराया. प्रधानमंत्री मोदी ने फौजियों की हिम्मत और हौसले को सलाम किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने राजौरी से दिवाली के जश्न की तस्वीरें और वीडियो साझा भी की हैं. जिसमें पीएम मोदी सैनिकों को मिठाई खिला रहे हैं. पीएम मोदी के साथ जवानों में खासा उत्साह दिखाई दिया.

पीएम मोदी ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी में वीर जवानों के साथ दिवाली मनाने में अलग ही आनंद आया. इन साहसी कर्मियों के साथ बातचीत करना हमेशा ही मेरे लिए खुशी की बात है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिवाली मनाने के बाद जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी की रक्षा कर रहे सेना

राकांपा के नवनिर्वाचित विधायक 30 अक्टूबर को अपना नेता चुनेंगे

मुंबई, महाराष्ट्र में राकांपा के नवनिर्वाचित विधायक 30 अक्टूबर को यहां बैठक कर सदन के लिए अपने नेता का चयन करेंगे। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि राकांपा प्रमुख शरद पवार भी यहां पार्टी मुख्यालय में होने वाली बैठक में मौजूद रहेंगे।

सूत्रों ने बताया कि राज्य में सरकार के गठन के बाद विपक्ष के नेता पर फैसला होगा । सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र राकांपा प्रमुख जयंत पाटिल, पार्टी महासचिव जितेंद्र अव्हाद और धनंजय मुंडे विधानसभा में विपक्ष के नेता पद के दावेदार हैं। धनंजय मुंडे वर्तमान में विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं।राकांपा ने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस की तुलना में ज्यादा सीटें जीती। राकांपा को 54 सीटों पर जीत मिली जबकि कांग्रेस को 44 निर्वाचन क्षेत्रों में सफलता मिली।

ऑनलाइन बिजनेस ने तोड़ी मुंबई के दुकानदारों की कमर

मुंबई : धनतेरस के अवसर पर बाजार में रौनक तो नजर आ रही है, लेकिन इन ऑफलाइन दुकानों में ऑनलाइन वालों की मार लगती नजर आ रही है। मुंबई में बर्तन के बड़े बाजारों में से एक भुलेश्वर मार्केट में शुक्रवार को धनतेरस के दिन इस बार पिछले सालों के मुकाबले कुछ चहल-पहल कम रही। स्थानीय व्यापारियों का कहना था कि ऑनलाइन मार्केट की वजह से 20-30 प्रतिशत बिजनेस लॉस हुआ है। ग्राहक दुकान में सामान देखने आते हैं, लेकिन उन्हीं चीजों की कीमत ऑनलाइन देखकर तोल-मोल करते हैं।

कालबादेवी रोड पर कंसारा चाल में स्टील के बर्तन की कई दुकानें हैं। एक व्यापारी अशोक भाई ने बताया कि कुछ ग्राहक बरसों से परंपरा के तौर पर आते हैं, चाहे 200 रुपये का भी सामान हो, लेकर जाते हैं। उन्हीं ग्राहकों के साथ अब उनके पोते-पोतियां आने लगे हैं। कोई आइटम बताओ, तो वे तुरंत उसके ऑनलाइन दाम चेक करके दादी-नानी के कान में फुसफुसाहट करने लगते हैं। इसके बाद ग्राहक को ऑनलाइन और ऑफलाइन बिजनेस का फर्क समझाना पड़ता है, जो कई बार मुश्किल होता है। हालांकि, पुराने ग्राहकों को समझ में आ जाता है कि जो रिश्ता ग्राहकों और

दुकानदारों का है, वो ऑनलाइन कभी नहीं मिलेगा। सामान में किसी तरह की खराबी निकलने पर ग्राहक दुकान पर माल छोड़ कर जाते हैं, ऑनलाइन बिजनेस में ये सब मुमकिन नहीं।

सप्लाई भी प्रभावित हुई है

मार्केट में मंदी के दौरान कई डीलर्स से सप्लाई प्रभावित हुई है। हालांकि, त्योहारों के कुछ दिन पहले स्थिति सामान्य जरूर हुई, लेकिन प्रभाव अभी तक कायम है। कॉपर के और स्टील के कुछ खास आइटम की डिमांड है, लेकिन मार्केट में माल नहीं है। धनतेरस के दिन लोग सेहत का खयाल रखते हुए भी कॉपर के सामान खरीदते हैं। आजकल फ्रिज में रखने वाली कॉपर की बोतलें ट्रेंड में हैं, लेकिन मार्केट में चुनिंदा लोगों के पास ही माल है। दूसरी ओर इसी तरह की चीजें ऑनलाइन मिल जाएगी। कहने का मतलब है कि डीलर्स भी ऑफलाइन से ज्यादा ऑनलाइन सप्लाई में ध्यान रख रहे हैं।

उम्मीद पर मार्केट कायम है

मंगलम स्टील के विसनजी नागडा कहते हैं कि ऑनलाइन मार्केट की वजह से उन्हें 20-30 प्रतिशत फर्क पड़ा है। इसके तोड़ में उन्होंने ग्राहकों से फोन पर ऑर्डर लेने शुरू किए हैं और सप्लाई भी शुरू की है। नागडा बताते हैं कि ऑनलाइन से तो निपट लिए, लेकिन मंदी से लड़ने में अभी दो-तीन साल और लगेंगे। सरकारी योजनाओं से मार्केट पर जो असर पड़ा है, उससे उबरने में भी उतना ही वक्त लगेगा।

उनकी दुकान में सामान खरीदने आई ग्राहक पूनम यादव ने बताया कि ऑनलाइन सामान मंगाकर दो-तीन बार ट्राई किया लेकिन दुकान में आकर आप तसल्ली से सामान देख सकते हैं। पुराने ग्राहकों को तो चाय-ठंडा भी मिलता है, ये बात ऑनलाइन बिजनेस में कहां है।

जेसीबी पर बैठकर फ्लाईओवर का उद्घाटन करने पहुंचे नवाब मलिक

मुंबई : चूनाभट्टी-बीकेसी फ्लाईओवर के उद्घाटन को लेकर पक्ष और विपक्ष में जंग तेज हो गई है। एनसीपी नेता नवाब मलिक जेसीबी मशीन के साथ पुल का उद्घाटन करने पहुंचे। जिसके बाद उनकी मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी और पुलिस के साथ बहस भी हुई। इस दौरान नवाब मलिक ने कहा कि आयुक्त ने बताया है कि सिग्नल का कुछ काम पूरा नहीं हुआ है। यह एक सप्ताह के भीतर पूरा हो जाएगा।

शिवसेना को वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आगे आना चाहिएः महाराष्ट्र कांग्रेस नेता

मुंबई : महाराष्ट्र में शिवसेना द्वारा सहयोगी बीजेपी के साथ सत्ता बंटवारे को लेकर आक्रामक रुख अपनाने के बीच प्रदेश कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को कहा कि उद्धव ठाकरे नीत पार्टी को 'वैकल्पिक व्यवस्था' के लिए आगे आना चाहिए। निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि हालांकि कांग्रेस को विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है, लेकिन बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए पार्टी को अन्य से हाथ मिलाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ह्यकांग्रेस के लिए जनादेश विपक्ष में बैठने की भूमिका निभाने का है। हालांकि बीजेपी को रोकने के लिए हमें साथ आने की जरूरत है। शिवसेना को आगे आना चाहिए।

शिवसेना को एक वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि लोकप्रिय जनादेश बीजेपी के खिलाफ है।ह्न वडेट्टीवार ने कहा कि कांग्रेस ने शिवसेना के साथ कोई चर्चा शुरू नहीं की है। कांग्रेस नेता का यह बयान उसी दिन आया जब शिवसेना ने महाराष्ट्र में नयी सरकार बनाने के लिये बाचतीत करने से पहले 'सत्ता में समान हिस्सेदारी के फामूर्ले' (50-50) को लागू करने के लिए सहयोगी दल बीजेपी से लिखित में आश्वासन मांगा है।

हरपल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

१) हिन्दुस्तान के किसी भी स्टेट में आप की मुश्किलों का सामना करने वाला अखबार।
२) आप पर कोई भी जुल्म हो रहा हो,
३) स्कूल में ज्यादती और जुल्म पर आवाज,
४) गुंडागर्दी और दबाव पर आवाज
५) औरतों पर जुल्म और बुजुर्गो पर जुल्म पर आवाज
६) किसी भी तरह की कोई मुश्किल पर सुनवाई न हो रही हो, हम आपकी आवाज की सच्चाई को सामने लाकर सरकार से इंसाफ दिलाने की पूरी कोशिश करते हैं।

हमारी न्यूज देखने के लिए साईट www.harpaltvnews.com टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें : Email-harpaltimes.press@gmail.com

जमील जी. खान
चीफ एडिटर

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल.कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४०००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/१. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४०००४३ से प्रकाशित किया। संपादक: वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374.
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)